माध्यमीक स्तराचे शिक्षणीक कॅलेंडर

वर्स 2025 -2026

यत्ता- णव्वी **विशय- कोंकणी (R1)** **पाठयपुस्तक - म्हादय**

पयलें सत्र

म्हयनो	गद्य	पद्य	रचना	व्याकरण	लेखन
एप्रिल	• कवाथो	• देवा म्हज्या देवा	• निबंद	• विकारी उतरां (नाम, सर्वनाम, विशेशण, क्रियापद)	• वर्णनात्मक, काल्पनीक, वैचारीक, आपजीण
जून	• यशाची चावी • पुरण शेत	• पावस	• संवाद	• वाक्प्रचार • लिंग वळखप / बदलप	• दिल्ल्या विशयाचेर 8 वळिंचो संवाद
जुलाय	• सोरोप समज गैर समज	• ओळख	• नोकरेचो अर्ज (job application)	• उरफाटी उतरां • वचन वळखप / बदलप	• दिल्ल्या विशयाचेर अर्ज बरोवप
ऑगस्ट	• स्वायन फ्लू एच 1 एन 1	• उठ तरणाटया	• काणी	• विशेशणां करप	• दिल्ल्या देखीचेर/ मुद्यांचेर/ काणी पुराय करप
सप्टेंबर	• प्लॉट	• तळपाचे माळयेक जलामली कनक	• उतारो (अपठीत) • मुलाखत	• अविकारी उतरां • अव्यय घालून दोन विधानां तयार करप • अव्यय काडून एक विधान करप • अव्ययांची वाक्यां तयार करप	• दिल्ल्या अपठीत उताऱ्याचेर प्रस्नांच्यो जापो बरोवप • मुलाखती खातीर प्रस्नवळ तयार करप
ऑक्टोबर	**पयली सत्र परिक्षा (80 गूण)** • खौली पासाचे वाटेन				

दुसरें सत्र					
म्हयनो	**गद्य**	**पद्य**	**रचना**	**व्याकरण**	**लेखन**
नोव्हेंबर	• ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेतो रविंद्रबाब	• खंय गेलो म्हजो गांव	• चीट वेव्हारीक	• लिंग बदलप • भावनामां करप	• दिल्ल्या विशयाचेर चीट बरोवप
डिसेंबर	• इश्टांनो, सांबाळून	• नया वर्ष	• उतारो (अपठीत)	• काळ वळखप/ बदलप • वाक्प्रचार	• दिल्ल्या अपठीत उताऱ्याचेर प्रस्नांच्यो जापो बरोवप
जानेवारी	• म्हजें यादिंतलो जनमत कौल • छातीवंत चिन्नां	• जुझे नेणार	• अणकार	• वाक्य शुध्द करप • उतरांची मांडावळ	• दिल्ल्या उताऱ्याचो कोंकणींत अणकार करप
फेब्रुवारी	• जागर	• इश्टागत	• आपोवणें (invitation)	• हयकारी/ न्हयकारी • विशेशणां करप	• दिल्ल्या विशयाचेर आपोवणें बरोवप
मार्च	पयल्या सत्रांतल्या व्याकरणाची उजळणी + दुसरी सत्र परिक्षा (80 गूण)				

सुचोवणी:
1) परिक्षा २ सत्रांनी जातली. प्रत्येक सत्रांत 80 गूण.
2) 40 गूण भोव पर्यायी (MCQ) आनी 40 दिर्घोत्तरी. (ह्या वर्सा हातूंत बदल जावपाक शकता)
3) पयल्या/ दुसऱ्या सत्रांत व्याकरण आनी उतारो हांचेर भोव पर्यायी प्रस्न आसतले. (ह्या वर्सा हातूंत बदल जावपाक शकता)
4) प्रत्येक सत्रांत 20 गुणांची आंतरीक परिक्षा (Internal Assessment) जातली.
5) आंतरीक परिक्षेखातीर वेगळे विशय दितले.
6) **पयल्या सत्रांतल्या व्याकरणाचो आनी रचनेचो आस्पाव दुसऱ्या सत्रांतूय आसतलो.**

CURRICULAM FOR GRADE 9 KONKANI R1 FOR ACADEMIC YEAR 2025-26			
पयलें सत्र परिक्षा			
SR.NO.	**गद्य**		**पद्य**
1	कवाथो	1	देवा म्हज्या देवा
2	यशाची चावी	2	पावस
3	पुरण शेत	3	ओळख
4	सोरोप समज गैर समज	4	उठ तरणाटया
5	स्वायन फ्लू एच 1 एन 1	5	तळपाचे माळयेक जलामली कनक
6	प्लॉट		
	व्याकरण		**रचना**
	विकारी उतरां (नाम, सर्वनाम, विशेशण, क्रियापद) वाक्प्रचार लिंग वळखप / बदलप उरफाटी उतरां वचन वळखप / बदलप विशेशणां करप अविकारी उतरां अव्यय घालून दोन विधानां तयार करप अव्यय काडून एक विधान करप अव्ययांची वाक्यां तयार करप		निबंद नोकरेचो अर्ज (job application) काणी उतारो (अपठीत) मुलाखत

दुसरें सत्र परिक्षा			
	गद्य		**पद्य**
1	खौली पासाचे वाटेन	1	खंय गेलो म्हजो गांव
2	ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेतो रविंद्रबाब	2	नया वर्ष
3	इश्टांनो, सांबाळून	3	जुझे नेणार
4	म्हजें यादिंतलो जनमत कौल	4	इश्टागत
5	छातीवंत चिन्नां		
6	जागर		
	GRAMMAR		**COMPOSITION**
	लिंग बदलप भावनामां करप काळ वळखप/ बदलप वाक्प्रचार वाक्य शुध्द करप उतरांची मांडावळ हयकारी/ न्हयकारी विशेशणां करप		चीट वेव्हारीक उतारो (अपठीत) अणकार आपोवणें (invitation)

FORMATE OF BLUEPRINT (LANGUAGE) **MAX. MKS: 80** **GRADE : 9**

SUBJECT: R1 KONKANI **TIME: 3 HRS**

UNIT/PAPER

	OBJEC TIVES ⟶	ELEMENTS OF LANGUAGE KNOWLEDGE ज्ञान					COMPREHENSION UNDERSTANDING आकलन					EXPRESSION APPLICATION उपयोजन					APPRECIATION SKILLS अभिव्यक्ती				TOTAL row wise
CONTENT AREA		दीर्घो E	ल S.A	अ. ल. V.S.A	O		दीर्घो E	ल S.A	अ. ल. V.S.A	O		दीर्घो E	ल S.A	अ. ल. V.S.A	O		दीर्घो E	ल S.A	अ. ल. V.S.A	O	
गद्य					4(4)		4(2)	8(10)		4(4)		4(2)									**24**
पद्य			2(2)	1(2)	2(2)			4(2)	1(1)	2(2)											**12**
व्याकरण								4(6)		8(8)				4(6)							**16**
रचना													7(6)					21(5)			**28**
SUB TOTAL			**2**	**1**	**6**		**4**	**16**	**1**	**14**		**4**	**7**	**4**				**21**			**80**
TOTAL COLUMN WISE ⟶	**09 MARKS TOTAL**					**35 MARKS TOTAL**						**15 MARKS TOTAL**					**21 MARKS TOTAL**				**80**

NOTE: Figures within brackets to indicate the number of questios and figures outside the brackets to indicate marks. Denotes that the marks have been combine to form one question.

SUMMARY: **Essay(E)** No.: ____ marks: **29** patern of option: ____________

Short answer (S.A): No.: ____ marks: **25**

Very short answer (V.S.A): No.: ____ marks: **06** scheme of sections: ____________

Objective: No.: ____ marks: **20**

TOTAL NO. OF QUESTIONS= 68

TOTAL MARKS= 80

रुब्रीक

डिजिटल

घटक/पांवडे	गूण	1	2	3
विशय	2	विशयाक धरून ना	दिल्ल्या विशयाक धरुन आसल्यार	-----
भाशा	3	8 वयर व्याकरणीक चुको/ उच्चारणांतल्या चुको आसल्यार	चार व्याकरणीक चुको/ उच्चारणांतल्या चुको आसल्यार	व्याकरणीक नदरेन शुध्द आसल्यार
तंत्राचो वापर	3	चित्रीकरणांत कांयच विविधताय ना जाल्यार	चित्रीकरणांत विविधताय आसल्यार	संगिताचो वापर, ॲनिमेशन, संपादन तंत्राचो वापर करून, प्रवाह व्हिडियो आसल्यार
सादरीकरण	2	व्यवस्थित चित्रीकरण केल्ले नासत जाल्यार	व्यवस्थित चित्रीकरण करून, प्रभावी सादरीकरण/आसल्यार	-----
	10			

नाटकुलें सादरीकरण				
घटक/पांवडे	**गूण**	**1**	**2**	**3**
कथानक	5	कथानक सादारण आसलें जाल्यार	कथानक देख दिवपी आसल्यार	कथानकांत देख आनी नैतीक मुल्यांचो आस्पाव आसल्यार
अभिनय	5	अभिनय सादारण आसलें जाल्यार	सगळ्यां पात्रांचो अभिनय कथाकाक सोबसारके आसल्यार	सगळ्यां पात्रांचो अभिनय दर्जेदार आसल्यार
भेस	5	भेस सादारण आसलो जाल्यार	फक्त एका पात्राचो भेस कथाकाक सोबसारके आसल्यार	सगळ्यां पात्रांचो भेस / मेकऍप कथाकाक फाव सारको आसल्यार
सादरीकरण	5	सादरीकरण सादारण आसल्यार	नाटकुल्यांत पार्श्व सांगिताचो वापर केलो जाल्यार	आवाज येवजण, माची सजावट करून प्रभावी सादरीकरण केले जाल्यार
	10			

लोकनाच सादरीकरण				
घटक/पांवडे	**गूण**	**1**	**2**	**3**
नाचाची निवड	5	लोकनाच नासत जाल्यार	लोक संगिताक धरून लोकनाच आसत जाल्यार	गोंयचें पारंपारीक लोकनाच आसत जाल्यार
भेस	5	भेस लोकनाचाक सोबसो नासत जाल्यार	सगळ्या वांगडयांनी पारंपारीक भेस केल्लो आसलो जाल्यार	पुरायपणान पारंपारीक आनी लोकनाचाक फावसो भोस आसत जाल्यार
संगिताचो वापर	5	संगिताचो वापर नासत जाल्यार	ध्वनीफितांचो वापर केलो जाल्यार	वाद्यांचो वापर करून स्वतः लोकगीत गावन लोकनाच सादर केल्यार
सादरीकरण	5	सादरीकरण सामान्य आसल्यार	पुराय सांघिकरणान सादरीकरण केल्ले जाल्यार	पुराय पंगडान एकवटान, संगिताचो वापर करून प्रभावीपणान उर्त्कृश्ट सादरीकरण केले जाल्यार
	10			

कथाकथन सादरीकरण				
घटक/पांवडे	**गूण**	**1**	**2**	**3**
कथेची निवड	5	कथेची निवड सादरण जाल्यार	कथा देखदिणी आसत जाल्यार	कथा देखदिणी, कथेंत सामाजीक नैतीक मुल्यां आसत जाल्यार
कथेची भाशा	5	कथेची भास सादारण आसत जाल्यार	कथेची भास शुध्द आसत जाल्यार	कथेची भास शुध्द आसून म्हणी, ओपारी आनी संवादाचो वापर केल्लो आसल्यार
हावभाव	5	कथा हावभाव विरयत सादर केली जाल्यार	कथा सादर करतना फाव तसो हावभाव आसत जाल्यार	कथा आत्मविश्वासान योग्य उच्चारण आनी हावभावासयत सादर केली जाल्यार
सादरीकरण	5	कथा सादारणपणान सादर केली जाल्यार	कथेचो क्रम सांबळून कथा सादर केली जाल्यार	कथा क्रमबद्‌दतायेन, उत्कृश्टपणान सादर केली जाल्यार
	10			

भोवरंगी भेस सादरीकरण (1-2 Mins)				
घटक/पांवडे	**गूण**	**1**	**2**	**3**
पात्राची निवड	5	पात्र- गोंयच्या संबदान आसलें जाल्यार	पात्रांतल्या स्वाभावाचो खंयचोय एक गूण स्पश्ट केलो जाल्यार	पात्रांतल्या व्यक्तिमत्वाचो दोन वा चड गूण स्पश्ट केले जाल्यार
संभाषण	5	निवड केल्ल्या पात्राक सोबसारके संभाषण आसल्यार	आवाजाचो चड उतार, गती जोर वेवस्थित आसली जाल्यार	आवाजाचो चड उतार, गती जोर सांबाळून स्पश्ट फच्चारण आसलें जाल्यार
भेस	5	भेस व्यक्तिचित्रणांक सोबसो नासत जाल्यार	भेस व्यक्तिचित्रणाक फावसो आसल्यार	भेस फावसो आसल्यार तशेंच त्या व्यक्तिचित्रांक सुमेळ दाखोवपी आसल्यार
सादरीकरण	5	सादरीकरण सामान्य आसल्यार	सादरीकरण आत्मविश्वासान योग्य हावभावा सयत सादर केलें जाल्यार	आत्मविश्वासान प्रेक्षकांमेरेन आपले विचार प्रभावीपणान सादर केलें जाल्यार
	10			

MAPPING OF THE TEXTBOOK FOR KONKANI LANGUAGE

Sr. No	Name of the Lessons	LO's	CO's
1.	कवाथो	LO 6, LO 8, LO 23, LO 30	CO 2, CO 4, CO 5
2.	यशाची चावी	LO 6, LO 8, LO 20, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
3.	पुरण शेत	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
4.	सोरोप समज गैर समज	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
5.	स्वायन फ्लू एच 1 एन 1	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
6.	प्लॉट	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
7.	खौली पासाचे वाटेन	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
8.	ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेतो रविद्रबाब	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
9.	इश्टांनो, सांबाळून	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
10.	म्हजें यादिंतलो जनमत कौल	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
11.	छातीवंत चिन्नां	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
12.	जागर	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5

Sr. No	Name of the Poems	LO's	CO's
1.	देवा म्हज्या देवा	LO 6, LO 8, LO 23, LO 30	CO 2, CO 4, CO 5
2.	पावस	LO 6, LO 8, LO 23, LO 30	CO 2, CO 4, CO 5
3.	ओळख	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
4.	उठ तरणाटया	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
5.	तळपाचे माळयेक जलामली कनक	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
6.	खंय गेलो म्हजो गांव	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
7.	नया वर्ष	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
8.	जुझे नेणार	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5
9.	इश्टागत	LO 6, LO 8, LO 23	CO 2, CO 4, CO 5

Sr. No	Name of the Grammar	LO's	CO's
1.	वाक्प्रचार	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
2.	विकारी उतरां (नाम, सर्वनाम, विशेशण, क्रियापद)	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
3.	उरफाटी उतरां	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
4.	वचन बदलप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
5.	विशेशणां करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
6.	अविकारी उतरां	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
7.	अव्यय घालून दोन विधानां तयार करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
8.	अव्यय काडून एक विधान करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
9.	अव्ययांची वाक्यां तयार करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
10.	वाक्य शुध्द करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
11.	हयकारी/ न्हयकारी	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
12.	लिंग बदलप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
13.	भावनामां करप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
14.	उतरांची मांडावळ	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2
15.	काळ वळखप/ बदलप	LO 18, LO 23	CO 1, CO 2

Sr. No	Name of the Composition	LO's	CO's
1.	संवाद	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
2.	निबंद	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 28, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
3.	नोकरेचो अर्ज (job application)	LO 8, LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
4.	काणी	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
5.	उतारो (पठीत)	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
6.	अणकार	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
7.	चीट वेव्हारीक/ आपोवणें (आमंत्रण पत्रिका)	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4
8.	उतारो (अपठीत)	LO 18, LO 19, LO 24, LO 26, LO 29	CO 1, CO 3, CO 4

GOA BOARD OF SECONDARY AND HIGHER SECONDARY EDUCATION

ALTO, BETIM, BARDEZ- GOA

SUBJECT: KONKANI (R1) **GRADE: IX**

INTERNAL ASSESSMENT SCHEME 2025-26

नव्या अंतर्गत मुल्यांकन येवजणेचो आराखडो सुचोवण्योः-

1. परिक्षा दोन सत्रांनी विभागची.
2. पयल्या सत्राखातीर एक गट आनी दुसऱ्या सत्राखातीर एक गट.
3. दर एका गटांत चार उपविशयांचो आस्पाव आसा.
4. दर एका गटांतलो खंयचोय एक विशय सक्तीन निवडचो.
5. दर एका विशयाक 20 गूण (20 X 2=40) वट्ट 40 गूण.
6. पयल्या सत्रांतले उपक्रम ऑक्टोबर आनी दुसऱ्या सत्रांतले उपक्रम जानेवारी म्हयन्याच्या दुसऱ्या सप्तकांत सक्तीन पुराय करून घेवचे.
7. खंयच्या गटाचो उपक्रम केन्ना घेवचो हाची शिक्षकाक मेकळीक आसतली.

आंतरीक परिक्षेचे विशय (Internal Assessment) वट्ट गूण 20

उपक्रम गट-1

(डिजिटल) व्हिडिओ 3 - 4 मिनटांचो आसचो गूण -20 (खंयचोय एक)

क्रमांक	विशय
1.	गोंयच्या 10 रूखांची म्हायती
2.	गोंयच्या वेगवेगळ्या शेती प्रकारांची म्हायती. (खंयच्या चार)
3.	गोंयांतल्या 10 फळांची / फुलांची / भाज्यांची म्हायती
4.	मुलाखत घेवन व्हिडिओ तयार करप. (मुख्याध्यापक, मुर्तिकार, कलाकार, शेतकामती, गायक)

उपक्रम गट-2

सादरीकरण गूण -20 (खंयचोय एक)

क्रमांक	विशय
1.	नाटकुलें सादरीकरण (5 - 7 मिनटां)
2.	लोकनाच सादरीकरण (3 - 4 मिनटां)
3.	कथाकथन (3 - 4 मिनटां)
4.	भोवरंगी भेस सादरीकरण (गोंयची पारंपारीक व्यक्ति चित्रणां) (1 - 2 मिनटां)

KONKANI LANGUAGE COMPETENCIES

कोंकणी विद्यार्थांमदीं सकयल दिल्ल्यो मुखेल क्षमता विकसीत करप अपेक्षीत आसा.

1. भाशेची कुशळतायः
   क) संभाशण कौशल्यः विद्यार्थांक कोंकणी भाशेंतल्यान मौखीक आनी लिखीत स्वरूपांत प्रभावीपणान संवाद सादपाक मेळपाक जाय. तातूंत ताचे विचार आनी भावनां स्पश्टपणान आनी आत्मविश्वासान उक्तावप गरजेचें आसता.
   ख) शब्द-भांडारः विद्यर्थांयचे शब्द-भांडार गिरेस्त आसपाक जाय आनी ती तो वेग- वेगळ्या संर्दभांत योग्य रितीन वापरपाक शकपाक जाय. ताका वाक्प्रचार, म्हणी, ओपारी सयत विंगड-विंगड शब्द-भांडार समजून घेवून वापरपाक कळपाक जाय.
2. व्याकरणः
   विद्यार्थांक कोंकणी व्याकरणाचे खोलायेन गिन्यान आसपाक जाय. आपल्या उलोवपांत आनी लिखाणांत योग्य रितीन वापरपाक कळूंक जाय. हातूंत वाक्य रचणूक, क्रियापद वा हेर व्याकरणीक नेम समजून घेवन प्रभावीपणान वापरपाक कळूंक जाय.
3. सांस्कृतीक समजूतः
   सांस्कृतीक जागृतायः- कोंकणी भाशेकडेन संबंदीत आशिल्ल्या गिरेस्त सांस्कृतीक दायजाची समजूत आनी वळख विद्यर्थांक मेळपाक जाय. हातूंत कोंकणी लोककला, लोकनाच, लोकसंगीत आनी हेर सांस्कृतीक अभिव्यक्तिच्या प्रकारांचो शिक्षणांत आसपाक जाय.
4. समाजांत भाशेचो वापरः
   कोंकणीच्या वेगवेगळ्या बोलिचें गिन्यान जावप. शिक्षण प्रसारमाध्यमां आनी कामां-धंद्यांत कोंकणीच्या वेगवेगळ्या बोलिंचो वापर करपाक कळपाक जाय.
5. संशोदनः विद्यार्थांक संशोदन करून एकठांय केल्ले म्हायतिचो संबध कोंकणी भाशेकडेन आनी दायजाकडेन जोडपाक कळपाक जाय. ह्या मेळयिल्ल्या म्हायतिचें मुल्यांकन करून आपल्या लिखाणांत आनी सादरीकरणांत वापरपाक कळपाक जाय.
6. तंत्रागिन्यानाचो वापरः
   विद्यार्थांक तंत्रागिन्यानाचो वापर कोंकणी भास प्रभावीपणान शिक्षणांत वापरपाक कळपाक जाय. तशेंच ऑनलायन माध्यां, भास शिकोवपी सॉफ्टवेरां आनी हेर डिजिटल माध्यमांचो वापर आपलें भाशीक कौशल्य सुदारपाक कळपाक जाय.

Model Question Paper
First Semester Exam 2025 -26
Grade: 9 Sub: Konkani R1 Marks: 80 Time: 3 hrs.

सुचोवण्यो - प्रस्नांचे आंकडे स्पश्ट बरोवचे.

- उजवे वटेन बरयल्ले आंकडे प्रस्नाचे वट्ट गूण धरचे.

दर विधानां सकयल A,B,C,D अशें चार पर्याय दिल्यांत तातूंतलो योग्य पर्याय वेंचून बरयात.

1. पावस सुरू जालो म्हणटकच गोंयच्या गांवगिऱ्या वाठारांनी शेतकामती ______. 1

A. शेत लुंवपाच्या वावरांत गुल्ल दिसतात.
B. शेत रोवपाच्या वावरांत गुल्ल दिसतात.
C. मळणीच्या वावरांत गुल्ल दिसतात.
D. भात भरपाच्या वावरांत गुल्ले दिसतात.

2. पंदराच दिसां भितर चिरे हाडून प्लॉटाचे भोंवतणी __________. 1

A. पयली मदेर हाडून दवरलें.
B. पयली झाडां लावन घेतलीं.
C. पयलीं दुरीग बांदून घेतलें.
D. पयलीं पुट्टप्पाक हाडून दवरलो.

3. ज्या विचारांनी आमचें मन थीर उरना ___________. 1

A. तांच्या बद्दल चिंतप ना.
B. तांची संगतच करप ना.
C. तांच्या बरोबर वचप ना.
D. तांच्या बदल उलोवपच ना.

4. "म्हजो वेद येता, अमेरिका सोडून." 1

A. हें वाक्य सुरेखान जोजॅफाक म्हणलें.
B. हें वाक्य सुरेखान रघुक म्हणलें.
C. हें वाक्य सुरेखान स्वताक म्हणलें.
D. हें वाक्य सुरेखान विवेकाक म्हणलें.

5. "तुमकां मातूय कशें वेव्हार गिन्यान ना काय म्हणटा हांव!" 1

A. हें वाक्य बरोवप्यान पुट्टप्पाक म्हणलें.
B. हें वाक्य बरोवप्याच्या घरकान्नीन बरोवप्याक म्हणलें.
C. हें वाक्य बरोवप्यान पुट्टप्पाचे बायलेक म्हणलें.
D. हें वाक्य पुट्टप्पाचे बायलेन बरोवप्याच्या बायलेक म्हणलें.

6. "हावें जें सांगलें ताचें तुमकां प्रात्यक्षिकच करून दाखयतां." 1

A. हें वाक्य इंग्वलेन जमिल्ल्या लोकांक म्हणले.

B. हें वाक्य मांत्रिकान लोकांक म्हणलें.

C. हें वाक्य मांत्रिकान इंग्वलेक म्हणलें.

D. हें वाक्य बाबान मांत्रिकाक म्हणलें.

7. गोंयांत पुरण शेत खंय रोयतात? 1

A. गोंयांत पुरण शेत काणकोण म्हालांत रोयतात.

B. गोंयांत पुरण शेत सत्तरी म्हालांत रोयतात.

C. गोंयांत पुरण शेत पेडणे म्हालांत रोयतात.

D. गोंयांत पुरण शेत केपें म्हालांत रोयतात.

8. स्वामी विवेकानंद आमी कोणावरी जावपाक जाय अशें म्हणटात? 1

A. स्वामी विवेकानंद आमी मोतयावरीं जावपाक जाय अशें म्हणटात.

B. स्वामी विवेकानंद आमी स्वाती नक्षत्रावरीं जावपाक जाय अशें म्हणटात.

C. स्वामी विवेकानंद आमी शिंपल्यावरीं जावपाक जाय अशें म्हणटात.

D. स्वामी विवेकानंद आमी पावसा थेंब्यावरीं जावपाक जाय अशें म्हणटात.

9. देवा म्हज्या देवा तूं सगळ्यांचो आदार रे. हे वळीचो अर्थ स्पश्ट करात 1

A. देवा सगळ्यांक पयशांचो आदार दिता.

B. देव सगळ्यांक आदाराक पावता.

C. देव एकटयाकूच आदाराक पावता.

D. देव संवसार सांबाळपाक आदार दिता.

10. तुगेले आंगटेन हांव पुशितालों. मेगेली अंगूटी तूं न्हेसतालो. हे वळीचो अर्थ स्पश्ट करात 1

A. कवी आनी वांगडी एकाच तुवाल्यान पुसताले.

B. कवी आनी वांगडी एकामेकाच्या तुवाल्यान पुसताले.

C. कवी आनी वांगडी लोकांच्या तुवाल्यान पुसताले.

D. कवी आनी वांगडी आपल्या तुवाल्यान दुसऱ्याक पुसताले.

11. तो काय एकल्याखातीर पडना, भेदभाव _____________ 1

A. धरता

B. धरिना

C. मानता

D. मानीना

12. तिथुनी पालकी _________ जाय बा! 1

A. सर्गलोक

B. देवलोक

C. पृथ्वीलोक

D. पाताळलोक

13. 'गोड' ह्या उतराचें उरफाटया अर्थाचें उतर वळखून बरयात **1**

A. कोडू

B. आंबट

C. खारट

D. तोरट

14. 'इश्ट' ह्या उतराचें उरफाटया अर्थाचे उतर वळखून बरयात **1**

A. सोयरो

B. शेजारी

C. दुस्मान

D. वांगडी

15. ' सर्ग ' ह्या उतराचें विशेशण वळखून बरयात **1**

A. सर्गेस्त

B. सर्गीचो

C. सर्गार

D. स्वर्गवासी

16. 'तीखसाण' ह्या उतराचें विशेशण वळखून बरयात **1**

A. तिकतिकीत

B. तीखट

C. तीख

D. तिखाळ

17. 'झाड' ह्या उतराचें भोववचन रूप वळखून बरयात **1**

A. झाडां

B. झुडपां

C. झोपां

D. झाड

18. <u>ताका</u> भावान तापयलो. आडी मारिल्ल्या उतराची जात वळखून बरयात **1**

A. नाम

B. सर्वनाम

C. विशेशण

D. क्रियापद

19. त्या घरांत मस्तो भुरगो रावतालो. विशेशण वळखून बरयात 1

A. घरांत

B. भुरगो

C. मस्तो

D. रावतालो

20. सवण्यांचें <u>भिरें</u> भोंवर मारतालें. आडी मारिल्ल्या नामाची परी वळखून बरयात 1

A. जातनाम

B. खासनाम

C. रासनाम

D. भावनाम

सकयल दिल्लो उतारो पाठाचेर आदारीत आसा. उतारो वाचून दिल्या प्रस्नांच्यो जापो बरयात :- 4

गोंय हें एक पर्यटन थळ. भोंवडेकारांचें नंदनवन, देशविदेशांतल्यान गोंयचे सोबितकायेचो आस्वाद घेवंक भोंवडेकार येतात. विमानांत प्रवासी लागीं बसतात. रेल्वेंत, बशींत जशी हवा जनेलांतल्यान भायर घोळटा तशी विमानांतल्यान घोळना. विमानांतल्यान प्रवास करपी स्वायन फ्लू चो वायटकार खोंकलो वा शिंकलो जाल्यार ह्या रोगाची लागण हेरांक जावपाची शक्यताय चड वाडटा. म्हूण विमानांतल्यान प्रवास करप्यांक ह्या रोगाची चत्राय मेळून तांणी सादूरताय बाळगूची म्हूण ते तकटे विमानतळाचेर लायतात. २००९ वर्सा जगभर ह्या दुयेंसाचे खूब दुयेंती दिसून आयले. एप्रिल २००९ मेरेन १८,४४९ रुग्ण मेल्याची नोंद जागतीक भलायकी संघटणेंत (WHO) जाली.

21. गोंयांत भोंवडेकार कित्याक येतात?

22. विमानतळाचेर रोगाविशींचे तकटे कित्याक लायतात?

23. एप्रिल २००९ वर्सा जागतीक भलायकी संघटणेंत कसली नोंद जाली?

24. हेरांक स्वायन फ्लू रोगाची लागण जावपाची शक्यताय केन्ना वाडटा?

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय चार प्रस्नांच्यो जापो एका 8 तें 10 उतरांनी बरयातः 4

25. दूद पिवपाची पाळी सोरपाचेर केन्ना येता?

26. शितारी बांदपाक कसलें सामान लागता?

27. सुरेखा कोणाचे वाटेक दोळे लावन बशिल्लें?

28. बरोवप्याची बदली खंय जाल्ली?

29. संकरीत विशाणू म्हणल्यार कितें?

सकयल दिल्ल्या <u>खंयच्याय दोन</u> प्रस्नांच्यो जापो दरेकी 40-45 उतरांनी बरयातः 8

30. वेदाचे आवय बापूय कसली सपनां बाळगून आशिल्ले?

31. मोती मेळपी शिंपल्यांवरी जायात अशें स्वामी विवेकानंद कित्याक म्हणटा?

32. इंगवलेन आपलो प्रयोग यशस्वी कसो करून दाखयलो?

सकयल दिल्ल्या <u>खंयच्याय दोन</u> प्रस्नांच्यो अचूक जापो सोदून बरयात. 2

33. तरणाटयांक कोणाचो साद आयकूंक येता?

34. आवयच्या म्हऱ्यांत बसून भुरगे कितें करताले?

35. मनशाक नसाय केन्ना जाता?

सकयल दिल्ल्या <u>खंयच्याय तीन</u> प्रस्नांच्यो जापो दरेकी 20-25 उतरांनी बरयातः 6

36. कवी विजयानंद देवालागीं कितें मागता?

37. 'उठ तरणाटया' कवितेंत भूंयपुतांचो कसलो हावेस आसा?

38. शंबर शंबर वर्सा पयलीं आमी कितें करताले अशें कवी म्हणटा?

39. पावसाचो सभाव कसो आसता?

सकयल दिल्ल्या वाक्यांत आडी मरिल्ल्या उतरांच्या जाग्यार कंवसांत दिल्लो फावो तो वाक्प्रचार वेंचून विधान परत बरयात . 2

(तोंड बावप, राजी नासप, सादूर रावप, शिकार जावप)

40. निकालाचे वळेरेंत आपलें नांव ना तें पळोवन रिया <u>निर्शेलें.</u>

41. मानाय भाटांत काम करपाक <u>तयार नासलो.</u>

सकयल दिल्ल्या <u>खंयच्याय चार</u> वाक्यांत कंवसांत दिल्ल्या सुचोवणे प्रमाण बदल करून बरयात. 4

42. घरांत हुंदीर जातकच बाबान माजर हाडलें. (अव्यय घालून दोन विधानां करात)

43. वा! तें बरें नाचलें. (अव्यय वळखून तरा बरयात)

44. नुस्तेकान्नीचो घोव गाडी चलयता. (लिंग बदलून वाक्य परतून बरयात)

45. तो बेकार भोंवतालो. (वचन बदलून वाक्य परतून बरयात)

46. हांव पावलें आनी तो उठलो. (अव्यय काडून एक विधान करात)

सकयल दिल्लीं <u>खंयचीय दोन</u> अव्ययां वापरून दरेकी एक-एक वाक्य घडोवन बरयात 2

47. देखून

48. जाल्यार

49. खातीर

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताचे सकयल दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो बरयात. 5

डॉ. पुंडलीक गायतोंडे हे गोंयचे सुटकेझूजारी. तांचो जल्म गोंय राज्यांतल्या पाळोळें, काणकोण गांवांत जालो. श्रीपाद हें तांचे मूळ नांव. गांवचे शाळेंत तांगेलें मुळावें शिकप जालें. श्रीपाद भुरगेपणा सावन हुशार, अभ्यासू आनी जिज्ञासू आसले. मुळावे शिकप पुराय जाले उपरांत माध्यमीक शिक्षणा खातीर ते फोंडेंचे आल्मेद कॉलेजींत गेले. थंय तांच्या

मनांत वैजकी शिकप घेवपाची आवड निर्माण जाली. श्रीपादान पणजेचे मॅडिकल कॉलेजीत प्रवेश घेतलो. थंय दोतोरकीचें शिकप सोंपतकच उंचेलें शिकप घेवपा खातीर ते पूर्तगालाक गेले. थंयच्या विद्यापिठाची पदवी घेवन तांणी एक नामनेचो सर्जन म्हणून नामना जोडली.

गोंयांत येवन ताणी म्हापशें शारांत वैजकीचो वेवसाय सुरू केलो. त्या वेळार गोंय पुर्तुगेजाच्या शेकातळा आसलें, गोंयचे सूटके खातीर चळवळ चलताली. तें पळोवन तांचे मन उचांबळ जातालें, दोतोर जाल्ल्यान तांचो संबंद लोकां कडेन येतालो. राष्ट्रकार्यात तशेंच समाजीक वावरांत वांटो घेवपाची प्रेरणा तांकां परंपरेंतल्यानूच मेळिल्ली. चळवळींतल्या फुडाऱ्यांकडेन ते संपर्क दवरून आसले. रोखडेच ते गोंयचे सुटके खातीर वावुरतले संघटनेचे वांगडी जाले. पुर्तुगाला सारक्या भायल्या देशांत शिकप घेवन आयिल्ल्यान तांचे पुर्तुगेज अधिका-यां कडेन बरे संबंद आसले.

प्रस्नः

50. डॉ. पुंडलीक गायतोंडे हांचो जल्म खंय जालो? 1
51. डॉ. गायतोंडे पुर्तुगालाक कित्याक गेले? 1
52. आल्मेद कॉलेजींत डॉ. गायतोंडेक कसली आवड निर्माण जाली? 1
53. गोंयांत येवन ताणी खंयच्या शारांत वैजकीचो वेवसाय सुरू केलो? 1
54. डॉ. गायतोंडेक परंपरेंतल्यानूच कितें मेळिल्ली? 1

55. सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताचो कोंकणींत अणकार करात: **2**

Sports is an excellent tool to build self-confidence. It also brings discipline in life.

56. सकयल दिल्ल्या मुद्द्यांच्या आदारान फावों तें नाव दीवन काणी बरयात: **5**

एक शेतकार ----- शेत लावप --- देवाकडेन वचप ---- विनवणी करप ---- “म्हज्या शेताचेर कसलीच आपत्ती येवची न्हय.” ---- देवान हय म्हणप ---- शेतकार आतां सुशेगाद न्हिदप ---- कांय म्हयन्यांनी शेत पिकप ---- शेतकार उमेदीन लुंवपाक वचप ------ पूण भात पोकें आसप ----- रागान परत देवाकडेन वचप ----- अशें कित्याक जाले? म्हणून विचारप ---- देवान सांगप --- “शेत जेन्ना सगल्या तरांचो कश्ट भोगता, सोंसता तेन्नाच ताचे भितर गर (दाणो) तयार जाता.” शेतकाराक चूक कळप --- देख

57.सकयल दिल्ली जायरात वाचून विनिता / विजय गांवस घर क्र. 150 सांत इनेझ पणजी सावन सकयल दिल्ल्या पदा खातीर अर्ज करता अशें समजून तुमी अर्ज बरयातः **5**

गरज आसा

संगीत शिक्षक(Music Teacher)

शिक्षणीक पात्रताय : - संगीत शास्त्राची पदवी

- कोंकणी भाशेचें गिन्यान

अणभव: उण्यांत उणें एक वर्स

पुराय म्हायती सयत अर्ज करात

संपर्क : वेवस्थापक

सॅट पिटर उच्च माध्यमीक विद्यालय केपें गोंय

वा

58. तूं हिना / टॉनी डायस, रावता घर. क्र. 80, आंबावली, केपें- गोंय. ह्या नाम्यार सावन तुमच्या वाठारांत शाळेचो बालरथ ह्या वाठारांतल्या शाळेच्या भुरग्यांक व्हरपाक येवची म्हूण विनवणी करपी चीट शाळेच्या मुख्याध्यापकाक बरयातः- **5**

59. "शाळेसामकार आशिल्ल्या उक्ते सुवातेर जाल्लो कोयर पळोवन" दोन इश्ट भासाभास करतात. तांचेमदीं जाल्लो संवाद 7-8 वळींनी बरयातः **4**

सकयल दिल्ल्या <u>खंयच्याय एका</u> विशयाचेर सुमार 150 ते 200 उतरांनी निबंद बरयातः- **7**

60. शिक्षक काय मोबायल?

61. जाणटया मनशाची आपजीण

62. म्हाका एक कोटीची सोर्त लागल्यार....

63. खेळामळार एक वर

****

Model Question Paper
Second Semester Examination
2025-26
Grade: 9 Subject: Konkani (R1) Marks: 80 Duration :3hrs.

सुचोवण्यो - प्रस्नांचे आंकडे स्पश्ट बरोवचे.
- उजवे वटेन बरयल्ले आंकडे प्रस्नांचे वट्ट गूण धरचे.

दर एका विधानां सकयल A,B,C,D अशे चार पर्याय दिल्यात तातूंतलो योग्य पर्याय वेंचून बरयात.

1. दिल्ली वतकूच रवींद्रबाबान गांधी स्मारक संग्रहालयांत --------------------------. (1)
A. शिक्षक म्हूण काम केलें.
B. मार्गदर्शक म्हूण काम केलें.
C. ग्रंथपाल म्हूण काम केलें.
D. संपादक म्हूण काम केलें.

2. दो. जॅक सिक्वेरा हांच्या फुडारपणाखाला -------------------------. (1)
A. महाराष्ट्रवादी गोमंतक पक्षाची थापणूक केली.
B. काँग्रेस पक्षाची थापणूक केली.
C. भारतीय जनता पक्षाची थापणूक केली.
D. युनायटेड गोवन्स पक्षाची थापणूक केली.

3. ताळ्यो पेटीत, फिवणी घालीत दर एकलो --------------------------. (1)
A. जागरांत रंगून गेल्लो.
B. नाटकांत रंगून गेल्लो.
C. तियात्रांत रंगून गेल्लो.
D. संगितांत रंगून गेल्लो.

4. "हो आवाज मात्सो कान दिवन आयकात पळोवया." (1)
A. हें वाक्य भुरग्यानी फिलोमेनाक म्हणलें.
B. हें वाक्य लिंडान फिलोमेनाक म्हणलें.
C. हें वाक्य फिलोमेनान भुरग्यांक म्हणलें.
D. हें वाक्य जेसनान लिंडाक म्हणलें.

5. "ना हां ! मामा 'आर. टी. ओ.' आसूनय हांवें केन्नाच गैरफायदो घेतलो ना हां." (1)
A. हें वाक्य कल्पनान अल्ताफाक म्हणलें.
B. हें वाक्य किशोरान अल्ताफाक म्हणलें.

C. हें वाक्य मॅल्वीनान अल्ताफाक म्हणलें.

D. हें वाक्य अनिकेतान अल्ताफाक म्हणलें.

6. " म्हजो जीव गेल्यार हरकत ना, पुणून सराच्या पुताच्या केंसाक मार लागूंक दिवंचों ना!"(1)

A. हें वाक्य पूतान आबोल्याक म्हणले.

B. हें वाक्य सरान चिन्नास्वामिक म्हणलें.

C. हें वाक्य चिन्नास्वामीन स्वताक म्हणलें.

D. हें वाक्य सरान दिपकाक म्हणलें.

7. बरोवपी आनी ताच्या वांगडयांचो पंगड खंयचे भोंवडेर गेल्लो ? (1)

A. बरोवपी आनी ताच्या वांगडयांचो पंगड अमेरिकेच्या भोंवडेर गेल्लो

B. बरोवपी आनी ताच्या वांगडयांचो पंगड दर्याचे भोंवडेर गेल्लो.

C. बरोवपी आनी ताच्या वांगडयांचो पंगड रान भोंवडेक गेल्लो.

D. बरोवपी आनी ताच्या वांगडयांचो पंगड हिमालयाच्या भोंवडेक गेल्लो.

8. प्रार्थनेची शिस्त रवीन्द्रबाबान खंय लावन घेतिल्ली ? (1)

A. प्रार्थनेची शिस्त रवीन्द्रबाबान साबरमती आश्रमांत आसतना लावन घेतिल्ली.

B. प्रार्थनेची शिस्त रवीन्द्रबाबान वर्ध्याक आश्रमांत आसतनाच लावन घेतिल्ली.

C. प्रार्थनेची शिस्त रवीन्द्रबाबान कोच्रब आश्रमांत आसतना लावन घेतिल्ली.

D. प्रार्थनेची शिस्त रवीन्द्रबाबान टॉलोस्टोय आश्रमांत आसतना लावन घेतिल्ली.

9. धनया ओंठार फुल्लो हांसो करून जुजेचो रितो पोसो. हे वळीचो अर्थ स्पश्ट करात. (1)

A. जुजेचो पोसो रितो करून धनी हांसलो .

B. जुजेची काकूळट करून धनी हांसलो.

C. जुजेक फटयलो म्हूण धनया ओंठार हांसो फुल्लो.

D. जुजेक फटयलो म्हूण निर्शेवन धनी हांसलो.

10. इश्टागत बसना खंयचेच फास्केंत ती आसता मुक्त. हे वळीचो अर्थ स्पश्ट करात. (1)

A. इश्टागत फास्केंत बसोवप शक्य नासता.

B. इश्टागत कोणेंय कोणाकडेन करूं येता.

C. इश्टागत मुक्त आसता ती बंधनात रावना.

D. इश्टागत सारकी फास्केंत बसता.

11. जुना गेला ------- इला , लक्षात इलाच नाय. (1)

A. पोरना

B. नवा

C. नया

D. धवा

12. कॉलनीतलो बंद पांदरो , जीव असो -------- जाता. **(1)**

A. पिसो

B. थंड

C. अस्वस्थ

D. धादोस

13. ‘ खोल ’ ह्या उतराचे भावनाम वळखून बरयात. **(1)**

A. खोलपण

B. खाली

C. खोलसार

D. खोलाय

14. ‘ खार ’ ह्या उतराचे भावनाम वळखून बरयात. **(1)**

A. खारसाण

B. खाराय

C. खारट

D. खारपण

15. वर्तमान काळातलें वाक्य वळखून बरयात. **(1)**

A. स्वाती घरा गेले .

B. स्वाती घरा वता.

C. स्वाती घरा वातले.

D. स्वाती घरा वताले.

16. ‘ घोडो ’ ह्या उतराचे स्त्रीलिंगी रूप वळखून बरयात. **(1)**

A. गोडी

B. घोडी

C. घोढी

D. गोढी

17. ‘ उजवाड ’ ह्या उतराचे उरफाटे उतर वळखून बरयात. **(1)**

A. सकाळ

B. प्रकाश

C. रात

D. काळोख

18. ‘ हुशार ’ ह्या उतराचे उरफाटे उतर वळखून बरयात. (1)

A. नापास

B. खोटो

C. भोटो

D. काळोख

19. ‘ परीक्षेक पास जावप सामके सोपें.’ ह्या वाक्याचे न्हयकारी रूप वळखून बरयात. (1)

A. परीक्षेक पास जावप सामके कठीण..

B. परीक्षेक नापास जावप सामके सोपें

C. परीक्षेक पास जावप कठीण न्हय

D. परीक्षेक पास जावप फकंडा न्हय.

20. ‘ धाडस ’ ह्या उतराचे विशेशण वळखून बरयात. (1)

A. धाडशीताय

B. धाडशी

C. धाडसपाण

D. धाडसाय

सकयल दिल्लो उतारो पाठाचेर आदारीत आसा. तो वाचून सकयल दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो बरयात. (4)

तंबू साकून दोनेक किलोमिटरांचेर एक ग्लेशीयर आशिल्लो. सुमार दोनशीं फूट उंचायेर. खरें म्हळयार आमी दर्याचे पातळे पसून पयलींच आठ साडेआठ हजार फुट उंचायेचेर आशिल्ले. हे उंचायेवेल्यान आनीक दोनशीं फूट वयर चडप म्हळयार आमचे नदरेन एक दोंगुल्लीच आशिल्ली. ते बर्फाचे दोंगुल्लेर जण एकलो आपआपले परीन चलतालो. एकेच ओळींत, एकमेकाचे फाटल्यान कशें चलप, पांय घसरून सकयल पडत जाल्यार आपल्या शरिराचो तोल कसो सांबाळप, जंय जंय पांय धरनात अशे सुवातेर बर्फात खांच करून पांय घट्ट कशे रोमप, हैं सगळे शिकयिल्ल्या किरावरी प्रशिक्षक उलयतालो. उलोवपा वांगडाच प्रयोगय करून दाखयतालो. पूण आमच्या पंगडांतलो दर एकलो देड - शाणो आशिल्ल्यान आपल्याक जाय तसो चलतालो आनी फातरा परस घट्ट जाल्ल्या बर्फाचेर पडून आपलें आंग धाडावन घेतालो.

<u>प्रस्न-</u>

21. ग्लेशीर म्हणजे कितें ?
22. बरोवपी दर्याच्या पातळीपासून कितले फूट उंचायेचेर आशिल्लो ?
23. बर्फाचे दोंगुल्लेचेर सांबाळून चलपाखातीर प्रशिक्षकान पांगडाक कसल्यो सुचोवण्यो केल्ल्यो ?

24. पंगडांतल्या वांगडयांचे आंग कित्याक धाडावताले ?

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय चार प्रस्नांच्यो जापो 8 – 10 उतरांनी बरयात. (4)

25. चिन्नास्वामीची फुडाराची मोख कितें आसली ?
26. भौमानेस्त श्री. शाबू देसाय हाणीं पदयात्रा खंयच्यान सुरु केली ?
27. पंगडांतल्या वांगडयांची कात कित्याक मिरयेवन गेल्ली ?
28. ज्ञानपीठ पुरस्कार म्हणल्यार किते ?
29. कांसाळें खंयच्या धातूपासून तयार करतात ?

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय दोन प्रस्नांच्यो जापो दरेकी 40-45 उतरांनी बरयात. (8)

30. घुमट आनी म्हादळें कित्याक गरम करचें पडटा ?
31. अपघात जावचे न्हय म्हणून आमी कसली जतनाय घेवंक जाय ?
32. पावसान भिजिल्ल्यान वांगडयांची कितें अवतिकाय जाली ?

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय दोन प्रस्नांच्यो जापो 8 - 10 उतरांनी बरयात. (2)

33. भुरगेपण याद करूंक कोणाकडेन इश्टागत करची?
34. भाटकारान जुजेक कितें सांगलें ?
35. म्हारगाय वाडली तेन्ना कवीन कितें केलें ?

सकयल दिल्ल्या खांयच्याय तीन प्रस्नांच्यो जापो दरेकी 20 – 25 उतरांनी बरयात. (6)

36. जुजे अणभवी पाडेली हें कशें कळटा ?
37. 'नया वर्ष' हे कवितेंत कवीन सामान्य मनशाचें विचार कशे तरेन मांडल्यात ?
38. जाण्टयांकडेन इश्टागत आसप कित्याक गरजेची ?
39. 'खंय गेलो म्हजो गांव' ह्या कवितेंत कवी भुरगेपणांतल्यो कसल्यो यादी सांगता ?

सकयल दिल्ल्या वाक्यांत आडी मारील्ल्या उतराच्या जाग्यार कंवसात दिल्लो फावो तो वाक्प्रचार बरोवन वाक्य पुराय करात. (2)

(मोह जावप, हातभार लावप, रंग येवप, रात माथ्यार पावप)

40. गांवच्या नाटकाक बरोच नेट आयिल्लो.
41. विराज सदाच आवयक कामाक आदार करतालो.

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय चार वाक्यांचो कंवसात दिल्ल्या सुचोवणे प्रणाम बदल करात.(4)

42. रोन्सिया पणजे नुस्तें हाडपाक वतले. **(वर्तमान काळात बरयात.)**
43. दरेका घरांत प्लास्टीकाचो उणो कोयर जायना. **(अर्थ बदलिनासतना हयकारी करात.)**
44. दोनूय पंघडांमंदी संघर्ष सुरू झालो. **(वाक्य शुद्ध करात.)**
45. घेतले स्वास मेकळेपणान हांव आतां. **(उतरांची फावो तशी मांडणी करात.)**

46. भूक लागिल्ली देखून तो जेवपाक गेलो. **(अव्यय काडून एक विधान करात.)**

सकयल दिल्ली खंयचीय दोन अव्ययां वापरून दरेकी एक वाक्य घडोवन बरयात. (2)

47. आवयस !
48. भायर
49. कुशीक

सकयल दिल्लो उतारो वाचून दिल्ल्या प्रस्नांच्यो जापो बरयात . (5)

सकयल कोंकणी लोकवेद भांडारांत कोंकणी लोककाणयांचे खूब मोटे दालन आसा. ह्यो काणयो भुरग्यांकच न्हय तर जाण्ट्यांकय भूल घालतात. भुरग्यांच्या निती शिक्षणाचे माध्यम म्हण एका काळार जाण्टी भुरग्यांक काणी सांगपाक लागली. भुरगीं काणयो आयकतना तल्लीन जाताली. काणी आवडना वा आयकली ना असो मनीस संवसारांत मेळप कठीण. आज समाज जिणेंत काणयांचें आदलें म्हत्व उरिल्ले ना. नव्या शिक्षणाच्या आनी मनोरंजनाच्या साधनानी, माध्यमानी लोकांच्या जिणेंतलें काणयांचें म्हत्व उणें केला, मात तें पुरायेन ना जाल्ले ना हेवय तितकेच खरें, लोककाणयो आज नव्या रुपांत नव्या माध्यमां वरवीं वाचकां मुखार येतात. अभ्यासक तांचेकडेन समाजीक आनी सांस्कृतीक साधन म्हण पळयतात. तांची वेगवेगळी रूपां सोदून काडून तांचो खोलायेन अभ्यास करतात.

प्रस्न-

50. जाण्टी भुरग्यांक कसलें माध्यम म्हण काणी सांगताली?
51. संवसारांत कसलो मनीस मेळप कठीण?
52. लोकांच्या जिणेंतलें लोककाणयांचें म्हत्व कोणें उणें केलां?
53. अभ्यासक लोककाणयेकडेन कसलें साधन म्हण पळयतात?
54. उता-याक फावोसो माथाळो दियात.

55. सकयल दिल्लो उतारो वाचून कोंकणीत अणकार करात. (2)

We must always remember to show respect for our national symbols. We must respect our National Flag. Whenever we sing the National Anthem, we must stand straight.

56. तुमच्या श्री. विवेकानंद उच्च माध्यमीक विद्यालयात आयोजीत केल्ल्या पुस्तकप्रदर्शन कार्यावळीचे आपोवणें तयार करात. (5)

57. सकयल दिल्ली जायरात वाचून मायकल/ मारिया डायस , घर क्र. 578 , धाकले भाट , मांद्रे- गोंय साकून सकयल दिल्ली जायरात वाचून अर्ज करता अशे समजून तुमी अर्ज करात. (5)

गरज आसा		
प्रयोग शाळा सहायक (Laboratory Asst.)		
शिक्षणीक पात्रताय:	-	बारावी पास
	-	संगणकाचें गिन्यान
	-	कोंकणी भाशेचें गिन्यान
अणभव:	-	एक वर्स
संपर्क:	-	व्यवस्थापक (Manager) सारस्वत विद्यालय म्हापसा – गोंय.

वा

58. तूं यश /यशस्वी देसाय ,सावरकटो ,कुंकळे – गोंय हांगासावन तुमच्या वाठारांत व्हड राती सायलंसर नाशिल्ल्यो मोटरसायकली चलोवन तरनाटे शांततायेक बादिकार हाडटात अशी कागाळ करपी चीट नागपालीकेच्या नगराध्यक्षक बरयात. (5)

59. 'घरचे खाण आरोग्याक बरे' ह्या विशयाचेर शिक्षक आनी विद्यार्थ्यांमदी जाल्लो संवाद 7-8 वाक्यांनी बरयात. (4)

सकयल दिल्ल्या खंयच्याय एका विशयाचेर सुमार 150 ते 200 उतरांचो निबंद बरयात. (7)

60. शिक्षणाचे म्हत्व
61. एका शेतकाराची आपजीण
62. हांव चंद्रार पावलो जाल्यार ....
63. वस्तुसंग्राहलयात एक वर

****